# तेरे हाथ में पतवार है फिर नाव क्यों मझधार है भजन लिरिक्स

तेरे हाथ में पतवार है,
फिर नाव क्यों मझधार है,
मेरे सांवरे, मेरे सांवरे,
बड़ी तेज़ गम की ये धार है,
मेरा तू ही खेवनहार है,
मेरे सांवरे, मेरे सांवरे।bd।

तर्ज – किसी राह में किसी मोड़।

---

मैंने सौंप दी तुझे ज़िन्दगी,
मैंने सौंप दी तुझे ज़िन्दगी,
तेरा प्यार मेरी बंदगी,
नहीं आसरा कोई दूसरा,
मेरा तू ही बस सरकार है,
मेरे सांवरे, मेरे सांवरे।bd।

---

तेरे होते मैं क्यों फिकर करूँ,
तेरे होते मैं क्यों फिकर करूँ,
तू जो साथ है तो मैं क्यों डरूं,
मेरी आस और विश्वास तू,
मेरा तू ही तो आधार है,
मेरे सांवरे, मेरे सांवरे।bd।

---

कभी बीच राह ना छोड़ना,
कभी बीच राह ना छोड़ना,
कभी दिल ये मेरा ना तोड़ना,
'कुंदन' ये रंग तेरे संग संग,
रंगीन ये संसार है,
मेरे सांवरे, मेरे सांवरे।bd।

---

तेरे हाथ में पतवार है,
फिर नाव क्यों मझधार है,
मेरे सांवरे, मेरे सांवरे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बड़ी तेज़ गम की ये धार है,
मेरा तू ही खेवनहार है,
मेरे सांवरे, मेरे सांवरे।bd।

**Singer -Toshi Kaur Ji**
**Lyricist – Kundan Akela Ji**

---

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com